आईआईएम में अगले सत्र से महिलाओं और दिव्यांगों को रिसर्च के लिए मिलेंगे दो साल ज्यादा, छह से आठ साल में पूरा कर सकेंगे रिसर्च वर्क

रायपुर (डीबी स्टार)। आईआईएम रायपुर की ओर से महिलाओं और दिव्यांगों को रिसर्च में प्रमोट करने के लिए एक नई पहल की गई है। जिसके तहत कैंपस में रिसर्च करने वाली महिलाओं और दिव्यांगों को रिसर्च में दो साल की छूट दी जाएगी। कैंपस में योजना आने वाले नए सत्र यानी 2024 से शुरू की जाएगी। इससे ऐसे स्टूडेंट्स जो किसी कारण वश समय पर अपना रिसर्च वर्क पूरा नहीं कर पाते हैं उन्हें काफी फायदा होगा और वे बेहतर रिसर्च कर पाएंगे। वर्तमान में शोधार्थियों को रिसर्च वर्क के लिए 4-6 वर्ष का समय मिलता है। आईआईएम रायपुर की ओर से किया जा रहा यह पहल राज्य में किया जाने वाला अपनी तरह का पहला कदम है। जिसमें महिलाओं और दिव्यांगों को रिसर्च में प्रोत्साहन करने के लिए कार्य किया जाएगा।

सभी इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर करेंगे रिसर्च

रिसर्च को ही बढ़ावा देने के लिए आईआईएम राज्य के सभी नेशनल इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर एमओयू भी करेगी और एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी डेवलप करेगी। ताकि रिसर्च को बढ़ावा दिया जा सकें। इसके लिए जल्द ही इंस्टीट्यूट के बीच यह तय किया जाएगा कि कौन से इंस्टीट्यूट की क्या जिम्मेदारी होगी। इसमें सभी इंस्टीट्यूट में आपस में मिलकर कार्य करेंगे।

अलग से किया जाएगा इसके लिए प्रावधान,

आईआईएम के प्रोफेसर डॉ कमल के जैन ने बताया कि हर स्टूडेंट्स की अद्वितीय क्षमता को पहचानना, सम्मान करना और बढ़ावा देना नई शिक्षा नीति का मूल है। इसके तहत शिक्षण अध्यापन को स्टूडेंट्स के सीखने के शैली के अनुरूप होनी चाहिए। इसलिए हमने इसे लागू करने की योजना बनाई है। इसके लिए कैंपस की ओर से अलग से प्रावधान बनाकर योजना बनाई जाएगी। इसके अंतर्गत जो महिला उम्मीदवारों और विकलांग व्यक्तियों को अपना शोध पूरा करने के लिए दो साल का अतिक्ति समय दिया जाएगा।

Dainik Bhasker, 31st July 2023,p. 1(DB Star)